NIPER
RAEBARELI

राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान

नाईपर, रायबरेली

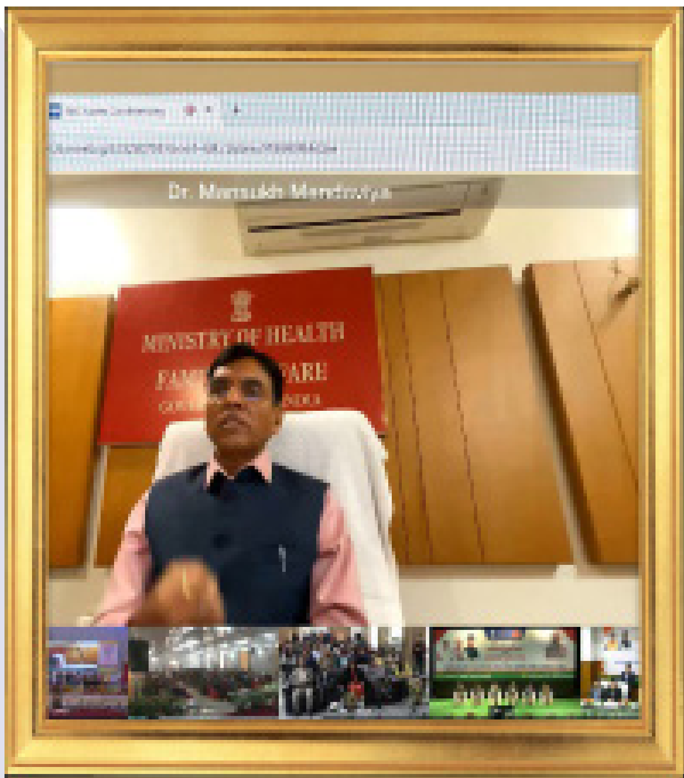

अंक, जनवरी-मार्च 2024

न्यूजलेटर

राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, रायबरेली
ट्रांजिट कैंपस : बिजनौर-सिसेंडी रोड, सरोजनी नगर, लखनऊ-226002 (उ.प्र.) भारत

TABLE OF CONTENTS

समाचार एवं कार्यक्रम	1
अनुसंधान और नवाचार	2
ज्ञानवर्धन	3
सफलतायें	3
मीडिया में नाईपर	4

समाचार एवं कार्यक्रम

केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण तथा रसायन व उर्वरक मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया द्वारा नाईपर-रायबरेली के स्थायी परिसर का शिलान्यास

केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण तथा रसायन व उर्वरक मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने शुक्रवार, 12 जनवरी 2024 को ऑनलाइन माध्यम से राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर), रायबरेली के स्थायी परिसर का शिलान्यास किया। नाईपर-रायबरेली की निदेशक प्रो. शुभिनी ए. सराफ तथा देश के कई संस्थानों में उपस्थित डेलिगेट्स, विद्यार्थी और संकाय सदस्य लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से इस समारोह में शामिल हुए। औषधीय क्षेत्र के वैज्ञानिक और विशेषज्ञ भी ऑनलाइन मंच के माध्यम से इस कार्यक्रम में जुड़े।

डॉ. मांडविया ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए नाईपर-रायबरेली और नाईपर-हैदराबाद के स्थायी परिसर का शिलान्यास किया। इसके साथ ही माननीय केंद्रीय मंत्री ने नाईपर-गुवाहाटी के नवनिर्मित परिसर को राष्ट्र को समर्पित किया और पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्वास्थ्य से जुड़ी अनेक परियोजनाओं की आधारशिला रखी। डॉ. मनसुख मांडविया ने सभी प्रतिनिधियों, छात्रों और संकाय सदस्यों का अभिवादन किया। उन्होंने कहा, "हम देश में फार्मा सेक्टर के लिए ऐसा सिस्टम तैयार कर रहे हैं, जिसमें रिसर्च, डिवेलपमेंट से लेकर उत्पादन तक में आत्मनिर्भर बनने का प्रयास है। कुशल परीक्षण और रिसर्च के लिए नाईपर को तैयार किया जा रहा है। नाईपर इंस्टिट्यूट हमारे रिसर्च, ट्रेनिंग और कुशल मानव संसाधन को बल देंगे, जिससे हमारी फार्मा इंडस्ट्री का वैश्विक स्तर पर शीर्ष स्थान सुनिश्चित होगा।"

नाईपर-रायबरेली के अत्याधुनिक परिसर का निर्माण विनायकपुर, रायबरेली, उत्तर प्रदेश में हो रहा है। नाईपर - रायबरेली का स्थायी परिसर पहले चरण में 48 एकड़ भूमि में फैला होगा और दूसरे चरण में 100 एकड़ भूमि तक विस्तारित होगा। पहले चरण का निर्माण 77 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। संस्थान का उद्देश्य उद्योगों को प्रशिक्षित मानव संसाधन प्रदान करना और न्यूरो-डीजेनेरेटिव एवं अन्य बीमारियों के क्षेत्र में अनुसंधान करना है।

नाईपर - रायबरेली की निदेशक प्रोफेसर शुभिनी ए. सराफ ने अतिथियों का स्वागत किया और संस्थान की उपलब्धियों को पेश किया। उन्होंने कहा, "हमें खुशी है कि आने वाले समय में हम अत्याधुनिक सुविधाओं वाले एक स्थायी परिसर में स्थानांतरित हो जाएंगे। वर्तमान में संस्थान लखनऊ के सरोजिनी नगर में ट्रांजिट परिसर से संचालित हो रहा है। नाईपर- रायबरेली ने बहुत कम समय में खुद को औषधीय विज्ञान के उच्च स्तरीय शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान के रूप में स्थापित किया है। संस्थान की उत्कृष्टता एनआईआरएफ सूची से प्रदर्शित होती है, जिसमें नाईपर-रायबरेली ने 14वां स्थान हासिल किया है।"

सीआईआई द्वारा जारी प्रेरणादायक महिलाओं की सूची में नाईपर की निदेशक एवं 2 फैकल्टी शामिल

कनफेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) द्वारा जारी की गई विज्ञान, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और मैथमैटिक्स के क्षेत्र में 105 प्रेरणादायक महिलाओं की सूची में राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर) रायबरेली की डायरेक्टर प्रो. शुभिनी ए. सराफ एवं दो फैकल्टी सदस्यों को शामिल किया गया है। सीआईआई ने देश में "वुमन इन स्टेम: इंस्पिरेशनल स्टोरीज" शीर्षक के साथ यह सूची जारी की है। स्टेम (STEM) एजुकेशन को साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग एवं मैथ्स के लिए जाना जाता है। सीआईआई की सूची में नाईपर – रायबरेली की जिन दो फैकल्टी के नाम शामिल हैं, उनमें औषधीय रसायन विज्ञान की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. आभा शर्मा और फार्माकोलॉजी व टॉक्सिकोलॉजी विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. सबा नकवी के नाम शामिल हैं। इन सभी सदस्यों ने वैज्ञानिक अनुसंधान, नए उत्पादों के विकास, पेटेंट और रिसर्च पब्लिकेशन में व्यापक योगदान दिया है। उन्होंने कई छात्रों को फार्मेसी को एक पेशे के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित किया है। नाईपर - रायबरेली की निदेशक प्रो. शुभिनी ए. सराफ ने कहा, "यह हमारे लिए गर्व का बात है कि सीआईआई की सूची में हमारे फैकल्टी सदस्यों को प्रेरणादायक महिलाओं के तौर पर शामिल किया गया है। मैं इस पहल के लिए सीआईआई को बधाई देना चाहती हूं। यह पहल विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाली महिलाओं को प्रोत्साहित करेगी और यह विश्वास दिलाएगी कि यदि प्रयास जारी रखें जाएं, तो ऊंचाइयों को हासिल किया जा सकता है।"

75वां गणतंत्र दिवस समारोह

26 जनवरी, 2024 को राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर) रायबरेली के ट्रांजिट परिसर में देश का 75वां गणतंत्र दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया है। कार्यक्रम का उद्घाटन नाईपर- रायबरेली की निदेशक प्रोफेसर शुभिनी ए. सराफ ने किया, जिसके बाद भारतीय राष्ट्रगान गाया गया। 75वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में, हाउसकीपिंग/सुरक्षा/मेस स्टाफ व संकाय और गैर-संकाय के अधिकारियों/कर्मचारियों को सराहनीय योगदान के लिए पुरुस्कृत किया गया। इन पुरस्कारों का उद्देश्य संस्थान में हाउसकीपिंग और सुरक्षा कर्मियों के साथ-साथ समर्पित गैर-संकाय और संकाय कर्मचारियों के असाधारण प्रयासों का सम्मान करना था।

विज्ञान में महिलाओं व लड़कियों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस

नाईपर- रायबरेली में "विज्ञान में महिलाओं और लड़कियों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस" मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने भाषण देते हुए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार में लड़कियों और महिलाओं की भूमिका पर अपने विचार साझा किए।

राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह

नाईपर के ट्रांजिट कैंपस में स्वामी विवेकानन्द की जयंती के अवसर पर 12 जनवरी 2024 को "राष्ट्रीय युवा दिवस" मनाया गया। विद्यार्थियों ने पोस्टर प्रस्तुत किए, जिसके माध्यम से उन्होंने युवाओं के प्रति विचार साझा किए।

पोस्टर एवं भाषण प्रतियोगिता

छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के अवसर पर पोस्टर एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्र-छात्राओं ने शिवाजी महाराज को एक निडर योद्धा, संस्कृति रक्षक जैसे कई प्रेरक रूपों में चित्रित किया।

जेनेरिक दवाओं को बढ़ावा दें, नाईपर के विद्यार्थियों ने ग्रामीणों को किया जागरूक

राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर), रायबरेली के विद्यार्थियों द्वारा "जन औषधि दिवस" के मौके पर सरोजिनीनगर क्षेत्र में जागरूकता रैली निकाली गई। पीएचडी और एमएस फार्म के छात्र-छात्राओं ने कमलापुर गांव में जाकर लोगों को जेनेरिक दवाओं के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया। जन औषधि दवाओं के स्वास्थ्य लाभों के बारे में भी लोगों से जानकारी साझा की।

विद्यार्थियों ने लोगों की इस धारणा को दूर किया कि कम कीमत वाली जेनेरिक दवाएँ ख़राब गुणवत्ता या कम प्रभावी होती हैं। उन्होंने लोगों को समझाया कि जेनेरिक दवाएँ बिना ब्रांड वाली दवाएँ हैं, जो समान रूप से सुरक्षित हैं। गुणवत्ता एवं प्रभावकारिता के मामले में जेनेरिक दवाएं ब्रांडेड दवाओं के बराबर हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भारत सरकार के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर डिजिटल रूप से 'जन औषधि शपथ' का संकल्प भी लिया।

ज्ञातव्य हो कि "प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना", (पीएमबीजेके) औषध विभाग, भारत सरकार द्वारा एक विशिष्ट पहल है, जो सस्ती कीमतों पर गुणवत्तापूर्ण दवाएं प्रदान करने की अपनी कोशिश में आम लोगों पर उल्लेखनीय प्रभाव डालने में सफल रही है। नाईपर-रायबरेली भी औषध विभाग के तहत राष्ट्रीय महत्व का संस्थान है।

अनुसंधान और नवाचार

Dr. Sandeep Chandrashekharappa and his research team published a book chapter entitled "Organometallic and biomass-derived nanostructured materials for biosensing applications" in ELSEVIER.

Team of NIPER- Raebareli for Published Review Paper entitled "State-of-the-art drug delivery system to target the lymphatics" in Journal of Drug Targeting.

Dr. Sanjay Tiwari and his research group published a research article entitled "Effect of stoichiometry upon the characteristics of quercetin-arginine cocrystals formulated through solution crystallization" in "Drug Development and Industrial Pharmacy"

Dr. Sandeep Chandrashekharappa and his research team published a research article in collaboration with Dr. Nidhi Srivastava in "Chemical Biology & Drug Design" WILEY.

Dr. Keerti Jain and her research team published a Research Article titled "Novel Ligand Decorated Theranostic Zein Nanoparticles Co-loaded with Paclitaxel and CQDs: Formulation and Optimization"

Dr. Sandeep Chandrashekharappa & his Collaborative team published a research - "Crystal Structure, Hydrogen bonding interactions, Hirshfeld surfaces, Energy frameworks, and DFT calculation of Diethyl 3-(4-substituted-benzoyl)indolizine-1,2-dicarboxylates."

Dr. Rahul Shukla's research team Review Article entitled "Receptor assisted Nanotherapeutics for Overcoming the blood-brain barrier" accepted in "Molecular Neurobiology" Journal in collaboration with University of Central Lancashire, United Kingdom.

Dr. Sanjay Tiwari and his research group published a Research article entitled "Sugar-Based Cryoprotectants Stabilize the Liposomal Vesicles by Exhibiting Cholesterol-like Effect" in "Molecular Pharmaceutics." (ACS Publications)

Dr. Sandeep C. and his research team published research-paper entitled "Synthesis, Characterization and Larvicidal Studies of Ethyl 3-benzoyl-7-(piperidin-1-yl)indolizine-1-carboxylate Analogues against Anopheles arabiensis and Cheminformatics approaches"

Dr. Keerti Jain and her research team for published a Research Article titled "PAMAM Dendrimer and Carbon Quantum Dots Complexes as Theranostic Nanocarrier: Synthesis, Optimization and Photophysical Characterization"

"SCH Group" at Dept of Medicinal Chemistry [PI = Dr. Sandeep Chaudhary] published a Research Article entitled "'Cephalandole A' Analogues as a New Class of Anti-oxidant Agents: Design, Microwave-Assisted Synthesis, Bioevaluation, SAR and In Silico Studies"

Dr. Rahul Shukla's Group Published a Review Paper entitled "Drug nanocrystals: A delivery channel for antiviral therapies" in "AAPS PharmSciTech" Journal.

Dr. Keerti Jain's research group published a Research article in collaboration with Dr. Ashok K. Datusalia's Lab titled "Novel Ligand Conjugated Poly(propylene Imine) Dendrimers for Brain Targeted Delivery of Tacrine Hydrochloride"

Dr. Sandeep Chandrashekharappa and his research team published a book chapter entitled "Brief overview of surfactants, properties, classification, passivation, and role in chemistry" in ELSEVIER

Dr. Sanjay Tiwari's group published a research article entitled 'Thermodynamics of Doxorubicin - Bile Salt Association:An Investigation Based on Isothermal Titration Calorimetry' in "Colloids and Surfaces A: Physicochemical and Engineering Aspects" Journal

Dr. Rahul Shukla's Lab Published Review Paper entitled "Microneedles along with Conventional Therapies: An In-depth Observational Review in Alopecia Areata Treatment" in Journal of Drug Delivery Science and Technology, Elsevier.

Team NIPER - Raebareli Published a Review Paper entitled "Harnessing the potential of nanoengineered siRNAs carriers for target responsive glioma therapy: Recent progresses and future opportunities" in International Journal of Biological Macromolecules.

Dr. Keerti Jain and her research team published a Research Article titled "Solid dispersions of bedaquiline fumarate to improve its pharmaceutical attributes: A comparative study between PEG and PVP" in Journal of Drug Delivery Science and Technology.

Dr. Sandeep Chandrashekharappa & team published a research paper entitled "Design, Synthesis, and Characterization of Ethyl 3-Benzoyl-7-Morpholinoindolizine-1-carboxylate as Anti-tubercular Agents: In-silico Screening for Possible Target Identification"

Team of NIPER-Raebareli Published Research Paper entitled "Optimization, characterization, and In-vitro cellular uptake of Donepezil-loaded NanoCrystVesicles" in Journal of Cluster Science, Springer.

Dr. Keerti Jain's research team Review Article accepted entitled "CONJUGATES OF AMPHOTERICIN B TO RESOLVE CHALLENGES ASSOCIATED WITH ITS DELIVERY" in "Expert Opinion on Drug Delivery" Journal in collaboration with DPSRU, New Delhi.

Dr. Sanjay Tiwari and his research group published a research article in "Spectrochimica Acta Part A: Molecular and Biomolecular Spectroscopy" (ELSEVIER)

Dr. Keerti Jain and her research team published a Research Article titled "Inclusion Complexes of Bedaquiline Fumarate with β-Cyclodextrin and its Derivatives: In silico, in vitro and in vivo evaluation"

Dr. Sandeep Chandrashekharappa and his research team published a research paper entitled "Efficient One-pot Multicomponent Approach to 3-Phenylpyrrolo[1,2-a]pyrazine and novel 3-Phenylpyrazino[1,2-a]indole in Aqueous Medium"

ज्ञानवर्धन

नाईपर में शैक्षिक दौरा करने आए आर्यकुल के विद्यार्थी

नाईपर -रायबरेली में "राष्ट्रीय फार्मेसी शिक्षा दिवस" मनाया गया। इस मौके पर आर्यकुल कॉलेज ऑफ फार्मेसी, लखनऊ के लगभग 50 विद्यार्थियों और शिक्षकों ने नाईपर परिसर का शैक्षिक दौरा किया। विद्यार्थियों को नाईपर की अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं में ले जाया गया और फार्मास्युटिकल विज्ञान के क्षेत्र में नवीनतम तकनीक के बारे में जानकारी दी गई। छात्रों को आधुनिक उपकरणों के संचालन के साथ-साथ औषधि अनुसंधान में इन मशीनों के उपयोग के बारे में जानकारी दी गई।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर व्याख्यान

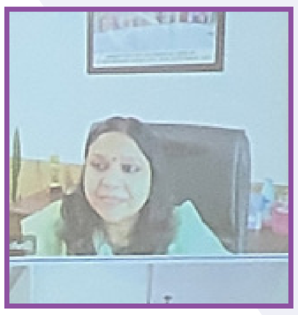

नाईपर-रायबरेली ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर 11.03.2024 को एक व्याख्यान का आयोजन किया। डॉ. मोनिका अग्रवाल, वैज्ञानिक, साइंस इंजीनियरिंग एंड रिसर्च बोर्ड (एसईआरबी), नई दिल्ली ने "भारत में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में महिलाओं को सशक्त बनाना" विषय पर ऑनलाइन माध्यम से व्याख्यान दिया।

डॉ. कीर्ति जैन ने आमंत्रित व्याख्यान दिया

डॉ. कीर्ति जैन ने झांसी स्थित केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "आयुर्वेद में नैनोमेडिसिन और फॉर्मूलेशन विकास" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

विज्ञान दिवस पर विशेष वार्ता

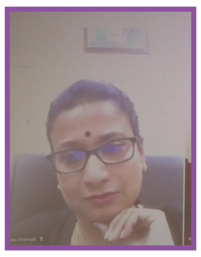

28 फरवरी 2024 को "राष्ट्रीय विज्ञान दिवस-2024" के मौके पर आईआईटी-दिल्ली की डॉ. संपा साहा ने "मल्टी कंपार्टमेंटल बायोडीग्रेडेबल पॉलिमेरिक पार्टिकल्स फॉर प्रोग्रामेबल एक्टिव रिलीज" विषय पर एक व्याख्यान दिया।

"आइडिया टू स्टार्टअप इन लाइफ साइंसेज"

16 जनवरी 2024 को राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस मनाया गया। विशिष्ट वक्ता के रूप में डेनोवो बायोलैब्स के सह-संस्थापक दिनेश कुमार ने "आइडिया टू स्टार्टअप इन लाइफ साइंसेज" विषय पर विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का उत्तर दिया। सभी विद्यार्थी सेमिनार हॉल और अपनी कक्षाओं में बैठकर चर्चा में शामिल हुए।

सफलतायें

डॉ. राहुल शुक्ला के मार्गदर्शन में फार्मास्यूटिक्स विभाग के मयंक हांडा ने अपनी पीएचडी डिग्री हासिल की। उन्होंने "ड्रग लोडेड नैनोइमलशन ऐंड नैनोपार्टिकल्स फॉर थेराप्यूटिक इंटरवेशन इन अल्जाइमर डिजीज" शीर्षक नाम की थीसिस संपूर्ण की।

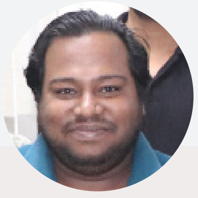

डॉ. राकेश कुमार सिंह के मार्गदर्शन में फार्माकोलॉजी एवं टॉक्सिकोलॉजी विभाग के मंगलदीप डे ने अपनी पीएचडी डिग्री हासिल की। उन्होंने 7 मार्च, 2024 को अपनी थीसिस संपूर्ण की और मौखिक परीक्षा भी सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की।

फार्मास्यूटिक्स विभाग के एमएस (फार्मा) विद्यार्थियों- शिवम रामदास पवार, श्रीवर्धन मूडे और विशाल रोहिदास ने हेटेरो लैब्स लिमिटेड के फॉर्मूलेशन रिसर्च एंड डेवलपमेंट विभाग में प्रशिक्षु अनुसंधान सहयोगी में प्लेसमेंट हासिल किया।

अभिषेक का मैकलियोड्स फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड में रेगुलेटरी एसोसिएट के रूप में सफलतापूर्वक चयन हुआ।

डॉ. राहुल शुक्ला के मार्गदर्शन में फार्मास्यूटिक्स विभाग के अजीत सिंह ने अपनी पीएचडी डिग्री हासिल की। उन्होंने "सर्फेस मॉडिफाइड डेंड्रिटिक एंड लिपिड नैनोकैरियर्स फॉर अल्जाइम डिजीज थेरेपी" शीर्षक नाम की थीसिस संपूर्ण की।

WARM-TH 2024 सम्मेलन में प्रियंका अरोड़ा ने फ्लैश टॉक प्रस्तुति में तीसरा पुरस्कार जीता और संगीता ने पोस्टर प्रस्तुति में पहला पुरस्कार जीता।

डॉ. रविंदर कौंडल और डॉ. संदीप चन्द्रशेखरप्पा को "डेवलपमेंट ऐंड इवैल्युएशन ऑफ नोवेल मल्टी-टारगेट यूरोलिथिन ऐनलॉग एज पोटेंशियल न्यूरोप्रोटेक्टिव थेरप्यूटिक्स फॉर इस्केमिक स्ट्रोक" नामक अनुसंधान परियोजना के लिए आईसीएमआर से अनुदान सहायता प्राप्त हुई।

डॉ. गोपाल लाल खटीक (पीआई) और डॉ. अशोक के. दतुसलिया (को-पीआई) को एसईआरबी, भारत सरकार से कोर रिसर्च ग्रांट (सीआरजी) प्राप्त हुआ।

पार्थ कुमार का मैकलियोड्स फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड में रेगुलेटरी एसोसिएट के रूप में चयन हुआ।

बायोटेक्नॉलजी विभाग से कृष्णा सोलंकी (एमएस फार्म) और राशि राठौड़ (एमएस फार्म) ने गेट 2024 क्वालीफाई किया।

मीडिया में नाईपर

प्रेरणादायक महिलाओं की सूची में नाईपर की निदेशक

माई सिटी रिपोर्टर

सीआईआई ने जारी की 105 प्रेरणादायक महिलाओं की सूची

लखनऊ। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (नाईपर) रायबरेली की डायरेक्टर प्रो. शुभिनी ए. सराफ को कंफेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) ने प्रेरणादायी महिलाओं की सूची में शामिल किया है। सूची में संस्थान के दो शिक्षक भी शामिल हैं।

प्रो. शुभिनी। डॉ. आभा। डॉ. सबा।

सीआईआई ने हाल ही में विज्ञान, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और मैथमैटिक्स के क्षेत्र में 105 प्रेरणादायक महिलाओं की सूची जारी की है। निदेशक के साथ ही संस्थान के औषधीय रसायन विज्ञान की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. आभा शर्मा और फार्माकोलॉजी व टॉक्सिकोलॉजी विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. सबा नकवी के नाम भी शामिल हैं। इन सभी सदस्यों ने वैज्ञानिक अनुसंधान, नए उत्पादों के विकास, पेटेंट और रिसर्च पब्लिकेशन में व्यापक योगदान दिया है।

प्रो. शुभिनी ए. सराफ ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है कि सीआईआई की सूची में हमारे फैकल्टी सदस्यों को प्रेरणादायक महिलाओं के तौर पर शामिल किया गया है। भारत सरकार ने नाईपर को 'राष्ट्रीय महत्व का संस्थान' घोषित किया है। वर्तमान में संस्थान लखनऊ के सरोजिनीनगर स्थित अपने ट्रांजिट कैंपस से शिक्षा प्रदान कर रहा है।

Union minister lays stone for NIPER Rae Bareli campus

Times News Network

Lucknow: Union minister for health and family welfare and chemicals and fertilizers Dr Mansukh Mandaviya virtually laid the foundation stone of the permanent campus of the National Institute of Pharmaceutical Education and Research (NIPER), Rae Bareli and Hyderabad on Friday.

On the occasion, the Union minister also dedicated the newly constructed campus of NIPER-Guwahati to the nation and unveiled the foundation stone for several healthcare infrastructure projects in the Northeast region.

"We are preparing such a system for the pharma sector, in which we will become 'atmanirbhar' (self-dependent) through research, development and production. NIPER is being prepared for efficient testing and research. It will strengthen our research, training and skilled human resources, which will ensure the top position of our pharma industry at the global level," said the minister.

Director, NIPER Rae Bareli Prof Shubhini A. Saraf said, "We are happy that we will shift to a permanent campus with state-of-the-art facilities in the coming time. The institute is functioning from the transit campus at Sarojininagar, Lucknow."

She said NIPER-Rae Bareli is an institute of national importance in pharmaceutical sciences, which aims to become a centre of excellence for advanced studies and research in pharmaceutical sciences. "The future construction of a state-of-the-art campus at Vinayakpur, Rae Bareli," she added.

Times of India, Lucknow

'विश्व के शीर्ष पर भारत को ले जाएगा नाइपर'

केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्री डा. मनसुख मांडविया ने परिसर का शिलान्यास किया

जासं, रायबरेली : केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्री डा. मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को वर्चुअल माध्यम से विनायकपुर में नेशनल इंस्टीट्यूट आफ फार्मास्युटिकल्स एजुकेशन एंड रिसर्च (नाइपर) के स्थायी परिसर का शिलान्यास किया।

उन्होंने कहा कि हम देश में फार्मा सेक्टर के लिए ऐसा सिस्टम तैयार कर रहे हैं, जिसमें रिसर्च, डिवेलपमेंट समेत उत्पादन तक में आत्मनिर्भर हो सकें। कुशल परीक्षण और रिसर्च के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट आफ फार्मास्युटिकल्स एजुकेशन एंड रिसर्च को तैयार किया जा रहा है। नाइपर हमारे रिसर्च, ट्रेनिंग और कुशल मानव संसाधन को बल देगा, जिससे हमारी फार्मा इंडस्ट्री का वैश्विक स्तर पर शीर्ष स्थान सुनिश्चित होगा। रायबरेली के विनायकपुर में इस संस्थान के भवन का निर्माण 77 करोड़ रुपये की लागत से कराया जा रहा है। यह परिसर पहले चरण में 48 एकड़ व दूसरे चरण में 100 एकड़ भूमि तक विस्तारित किया जाएगा।

नाइपर के शिलान्यास कार्यक्रम में मौजूद प्रशासनिक अधिकारी व प्रोफेसर और छतोह ब्लाक में पूजित अक्षत वितरित करतीं केंद्रीय मंत्री • जागरण

निदेशक प्रो. शुभिनी ए. सराफ ने कहा कि वर्तमान में संस्थान लखनऊ के सरोजिनी नगर में ट्रांजिट परिसर से संचालित हो रहा है। संस्थान ने बहुत कम समय में खुद को औषधीय विज्ञान के उच्च स्तरीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान के रूप में स्थापित किया है। [illegible]

केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी ने वितरित किए पूजित अक्षत

संसू, परशदेपुर : केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी ने शुक्रवार को छतोह ब्लाक परिसर में महिलाओं को अयोध्या धाम से आए पूजित अक्षत वितरित किए। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने जय श्रीराम का जयघोष करते हुए 22 जनवरी को मंदिरों में एकत्रित होकर पूजा पाठ करने व शाम को दीपावली की तरह दीप जलाने के लिए कहा। विधायक अशोक कुमार, खंड विकास अधिकारी वीरेंद्र प्रताप, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि विशाल सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष अभय प्रताप सिंह, खंड कार्यवाहक संतोष पांडेय, प्रधान संघ अध्यक्ष बृजपाल पासवान मौजूद रहे।

दैनिक जागरण, रायबरेली

कार्यक्रम | शुक्रवार को जिले के विनायकपुर में 48 एकड़ भूमि में बन रहे नाईपर के भवन का केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने शिलान्यास किया

केंद्रीय मंत्री ने नाईपर के भवन का किया शिलान्यास

रायबरेली। केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण तथा रसायन व उर्वरक मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को ऑनलाइन के माध्यम से नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल्स एजुकेशन एंड रिसर्च (नाईपर) के स्थायी परिसर का शिलान्यास किया। नाईपर के निदेशक प्रो. शुभिनी ए सराफ तथा देश के कई संस्थानों में उपस्थित डेलिगेट्स, विद्यार्थी और संकाय सदस्य लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से इस समारोह में शामिल हुए। औषधीय क्षेत्र के वैज्ञानिक और विशेषज्ञ भी ऑनलाइन मंच के माध्यम से इस कार्यक्रम में जुड़े। जिले के विनायकपुर में 48 एकड़ भूमि में बन रहे भूमि पर बन रहे नाईपर के भवन का शिलान्यास किया। नाईपर के स्थायी परिसर पहले चरण में 48 एकड़ भूमि में बनेगा। इसके बाद दूसरे चरण में 100 एकड़ भूमि तक इसका विस्तार किया जाएगा। पहले चरण का निर्माण 77 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। संस्थान का उद्देश्य उद्योगों को प्रशिक्षित मानव संसाधन प्रदान करना और न्यूरो-डीजेनेरेटिव एवं अन्य बीमारियों के क्षेत्र में अनुसंधान करना है। नाईपर की निदेशक प्रोफेसर शुभिनी ए सराफ ने अतिथियों [illegible]

शुक्रवार को शिलान्यास पर मौजूद लोग।

- 77 करोड़ की लागत से 48 एकड़ में बनाया जाएगा भवन
- दूसरे फेस में 100 एकड़ भूमि में किया जाएगा विस्तार

उन्होंने कहा कि हमें खुशी है कि [illegible] वर्तमान में सरोजिनी नगर [illegible] संचालित हो रहा है। नाईपर ने बहुत कम समय में खुद को औषधीय विज्ञान के उच्च स्तरीय शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान के रूप में स्थापित किया है। संस्थान की उत्कृष्टता एनआईआरएफ सूची से प्रदर्शित होती है। इस वर्ष नाईपर रायबरेली ने 14वां स्थान प्राप्त किया है।

हिंदुस्तान, रायबरेली

केंद्रीय मंत्री ने नाईपर के स्थायी परिसर का किया शिलान्यास

रायबरेली (एसएनबी)। केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण तथा रसायन व उर्वरक मंत्री डा. मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को आनलाइन माध्यम से नेशनल इंस्टीट्यूट आफ फार्मास्युटिकल्स एजुकेशन एंड रिसर्च (नाईपर) के स्थायी परिसर का शिलान्यास किया। नाईपर की निदेशक प्रो. शुभिनी ए. सराफ तथा देश के कई संस्थानों में उपस्थित डेलिगेट्स, विद्यार्थी और संकाय सदस्य लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से इस समारोह में शामिल हुए।

शिलान्यास के बाद नाईपर के डायरेक्टर व अन्य। फोटो : एसएनबी

औषधीय क्षेत्र के वैज्ञानिक और विशेषज्ञ भी आनलाइन मंच के माध्यम से इस कार्यक्रम में जुड़े। डा. मांडविया ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए नाईपर और नाईपर-हैदराबाद के स्थायी परिसर का शिलान्यास किया। इसके साथ ही केंद्रीय मंत्री ने नाईपर-गुवाहाटी के नवनिर्मित परिसर को राष्ट्र को समर्पित किया और पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्वास्थ्य से जुड़े अनेक परियोजनाओं की आधारशिला रखी। डा. मनसुख मांडविया ने सभी प्रतिनिधियों, छात्रों और संकाय सदस्यों का अभिवादन किया। नाईपर की निदेशक प्रोफेसर शुभिनी ए. सराफ ने अतिथियों का स्वागत किया और कहा कि हमें बहुत खुशी है कि आने वाले समय में हम अत्याधुनिक सुविधाओं वाले एक स्थायी परिसर में स्थानांतरित हो जाएंगे। वर्तमान में संस्थान लखनऊ के सरोजिनी नगर में ट्रांजिट परिसर से संचालित हो रहा है। नाईपर ने बहुत कम समय में खुद को औषधीय विज्ञान के उच्च स्तरीय शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान के रूप में स्थापित किया है। संस्थान की उत्कृष्टता एनआईआरएफ सूची से प्रदर्शित होती है, जिसमें नाईपर ने 14वां स्थान हासिल किया है।

नाइपर को मिलेगा नया स्थायी ठिकाना, परिसर का शिलान्यास

अमर उजाला, रायबरेली

संवाद न्यूज एजेंसी

विनायकपुर में 48 एकड़ में होगा निर्माण, पहले चरण में 77 करोड़ होंगे खर्च

रायबरेली। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल्स एजुकेशन एंड रिसर्च (नाइपर) को अब स्थायी ठिकाना मिलेगा। शुक्रवार को केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण, रसायन व उर्वरक मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से परिसर का शिलान्यास किया।

कार्यक्रम में मौजूद मुख्य अतिथि व अन्य। संवाद

जिले के विनायकपुर में 48 एकड़ भूमि पर निर्माण कार्य कराया जाएगा। पहले चरण में 77 करोड़ खर्च किए जाएंगे। वर्तमान समय में नाइपर लखनऊ के सरोजनीनगर से संचालित किया जा रहा है। निर्माण कार्य का शिलान्यास करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हम देश में फार्मा सेक्टर के लिए ऐसा सिस्टम तैयार कर रहे हैं, जिसमें शोध व विकास से लेकर उत्पादन तक में आत्मनिर्भर बनने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि यह इंस्टीट्यूट हमारे रिसर्च, ट्रेनिंग और कुशल मानव संसाधन को बल देगा। जिससे हमारी फार्मा उद्योगों को वैश्विक स्तर पर शीर्ष स्थान सुनिश्चित होगा।

नाइपर की निदेशक प्रो. शुभिनी ए सराफ ने बताया कि अत्याधुनिक परिसर का निर्माण विनायकपुर रायबरेली में हो रहा है। दूसरे चरण में 100 एकड़ भूमि तक विस्तारित होगा। आने वाले समय में अत्याधुनिक सुविधाओं वाले एक स्थायी परिसर में स्थानांतरित हो जाएंगे।

केंद्रीय मंत्री ने किया नाईपर के भवन का शिलान्यास

सरोजनी नगर स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, रायबरेली के विद्यार्थियों ने गुरुवार को जागरूकता रैली निकाली।

जेनेरिक दवाओं का अधिक इस्तेमाल करें लोग

लखनऊ। सरोजनी नगर स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (नाईपर) रायबरेली के विद्यार्थियों की ओर से जन औषधि दिवस पर जागरूकता रैली निकाली गई। पीएचडी और एमएस फार्म के छात्र-छात्राओं ने कमलापुर गांव में जाकर लोगों को जेनेरिक दवाओं के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया।

हिंदुस्तान, लखनऊ

शुभारंभ | **ऊंचाहार-डलमऊ रोड 47 करोड़ से बनेगी**

रायबरेली, संवाददाता। केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण तथा रसायन व उर्वरक मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को ऑनलाइन माध्यम से नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल्स एजुकेशन एंड रिसर्च (नाईपर) के स्थायी परिसर का शिलान्यास किया। नाईपर के निदेशक प्रो. शुभिनी ए सराफ व देश के कई संस्थानों में उपस्थित डेलिगेट्स लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से समारोह में शामिल हुए। औषधीय क्षेत्र के वैज्ञानिक व विशेषज्ञ भी ऑनलाइन मंच के माध्यम से इस कार्यक्रम में जुड़े। विनायकपुर में 48 एकड़ में नाईपर का निर्माण किया गया है।

रायबरेली। ऊंचाहार से डलमऊ रोड की हालत जल्द सुधर जाएगी। ऊंचाहार से डलमऊ की दूरी 32 किमी है। इसमें से 23 किलोमीटर सड़क बहुत ज्यादा खराब हो गई है।

लोक निर्माण विभाग पूरी तरह से गड्ढायुक्त हो चुकी इस सड़क को 47 करोड़ रुपए खर्च करके सुधारेगा। राज्य मार्ग संख्या 38 के नाम से जाना जाने वाला यह मार्ग प्रयागराज से उन्नाव को सीधे जोड़ता है। इस मार्ग से रोजाना करीब एक हजार भारी वाहनों के साथ हजारों की संख्या में दो पहिया और चार पहिया वाहन निकलते हैं।

हिंदुस्तान, लखनऊ

जेनेरिक दवाओं के प्रति लोगों को किया जागरूक

एनबीटी सं., लखनऊ: नैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (नाईपर) के छात्रों ने गुरुवार को सरोजनीनगर में जागरूकता रैली निकाली। छात्रों ने लोगों को जेनेरिक दवाओं के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करते हुए जन औषधि के फायदे बताए। ग्रामीणों को बताया कि कम कीमत वाली जेनेरिक दवाओं की गुणवत्ता खराब नहीं होती। गुणवत्ता एवं प्रभावकारिता के मामले में जेनेरिक दवाएं ब्रांडेड दवाओं के बराबर हैं।

नवभारत टाइम्स, लखनऊ

जेनेरिक दवाओं के लिए रैली

जासं, लखनऊः सरोजनीनगर के नेशनल इंस्टीट्यूट आफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन ऐंड रिसर्च के विद्यार्थियों द्वारा 'जन औषधि दिवस' के मौके पर जागरूकता रैली निकाली गई। गुणवत्ता के मामले में जेनेरिक दवाएं ब्रांडेड दवाओं के बराबर हैं।

दैनिक जागरण, लखनऊ

जेनेरिक दवाओं के प्रति किया जागरूक

लखनऊ। सरोजनीनगर स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (नाईपर), रायबरेली के विद्यार्थियों ने कमलापुर गांव में जाकर लोगों को जेनेरिक दवाओं के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया। लोगों को बताया कि प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) औषध विभाग, भारत सरकार की विशिष्ट पहल है। इसमें सस्ती दर पर दवाएं उपलब्ध हो जाती हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

अमर उजाला, लखनऊ

Compiled and Designed By

Public Relations Cell
NIPER, Raebareli
Mob. 8375096753
Email. pr.officer@niperrbl.ac.in

Follow NIPER, Raebareli on

Chief Patron

Prof. Shubhini A. Saraf,
Director

Editorial Team

Dr. Jai Narain,
Registrar

Dr. Sandeep Chaudhary
Dean

Anurag Singh
Public Relations Officer

For any suggestions, please contact us at: pr.officer@niperrbl.ac.in